

खबर संक्षेप

भगवान श्रीकृष्ण मेधावी छात्रवृत्ति योजना के लिए ऑनलाइन प्रतियोगिता 11 सितंबर से

मण्डला। भगवान श्रीकृष्ण मेधावी छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत प्रदेश के मेधावी विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्रदान करने के लिए ऑनलाइन प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिता में भारतीय ज्ञान परंपरा से जुड़ी 14 विद्याओं एवं 64 कलाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थी सहभागी बन सकेंगे। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस रानी दुर्गावती शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मंडला के प्राचार्य डॉ. टी.पी. मिश्रा ने बताया कि श्रीकृष्ण पाथेय न्यास एवं मध्यप्रदेश शासन के संस्कृति विभाग द्वारा यह ऑनलाइन प्रतियोगिता 11 से 30 सितंबर 2026 तक आयोजित की जाएगी। विद्यार्थी प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए निर्धारित लिंक अथवा क्यूआर कोड के माध्यम से ऑनलाइन पंजीयन कर सकेंगे। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले स्कूल स्तर के 51 तथा महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय स्तर के 51, कुल 102 मेधावी विद्यार्थियों का चयन किया जाएगा। चयनित प्रत्येक विद्यार्थी को एक लाख रुपये की एकमुश्त छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी। महाविद्यालय की छात्रवृत्ति शाखा के श्री संजय नंदा ने जिले के अधिक से अधिक विद्यार्थियों से ऑनलाइन प्रतियोगिता में पंजीयन कर उत्साहपूर्वक सहभागिता करने तथा उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की अपील की है।

शुचि उपाध्याय इंडिया में चयनित, ऑस्ट्रेलिया के विरुद्ध होगा मैच

मण्डला। मंडला जिले की शुचि उपाध्याय ने एक बार फिर क्रिकेट जगत में चयनकर्तारों को अपनी ओर आकर्षित किया है हाल ही में राष्ट्रीय स्तर पर बंगलौर में चल रहे केम्प के दौरान इंडिया ए की घोषित की गई वीमेन क्रिकेट टीम में मध्यप्रदेश के मंडला जिले की शुचि उपाध्याय शामिल है विदित हो कि बीते साल श्री लंका में आयोजित श्रृंखला में इंडिया टीम में शामिल मंडला की शुचि चोट के कारण इंग्लैंड दौरे पर नहीं जा सकी थी लेकिन चोट से उबरने के बाद मध्यप्रदेश की ओर से घरेलू टूर्नामेंट का हिस्सा रहीं है.. मंडला के मैदान में लोकल टूर्नामेंट में मेकल एकेडमी से खेलते हुए अंतर्राष्ट्रीय मैदानों में अपनी फिरकी गेन्दबाजी के लिए पहिचान स्थापित करने वाली शुचि उपाध्याय को डी सी ए मंडला के अध्यक्ष भीष्म द्विवेदी, सचिव अजय मिश्रा, ललित शुक्ला, कमल जायसवाल, इम्तियाज अली, पंकज दुबे, अर्जुन भांडे, अक्छय चंद्रल,निशांत झा,बसंत ठाकुर, सत्यप्रकाश दुबे,शिवाशु तिवारी, फैजान खान सहित सभी खेल प्रेमियों ने उनके उज्जवल भविष्य की कामना सहित शुभकामनायें दी है।

समस्या

दो माह से परिवार चलाना हुआ मुश्किल।

अतिथि शिक्षकों को रक्षाबंधन पर भी मानदेय नहीं

* काफी समय से परेशान हैं अतिथि शिक्षक।

हरिभूमि न्यूज ►► मण्डला

अतिथि शिक्षक परिवार मण्डला जिला अध्यक्ष पी.डी. खैरवार ने सरकार के भेद-भावपूर्ण व्यवहार पर सवाल उठाते हुए बताया है, कि अतिथि शिक्षक पिछले दो महीनों से निरंतर शिक्षण कार्य करते आ रहे हैं, इसके बावजूद जिले के इक्के-दुक्के विद्यालयों को छोड़कर प्रायः सभी विद्यालयों में कार्यरत अतिथि शिक्षकों को मानदेय का भुगतान नहीं किया गया है। जिससे भाई-बहन के प्रमुख त्यौहार रक्षाबंधन जैसे पर्व पर भी गंभीर आर्थिक संकट बना रहा है।

सवाल यह उठना लाजमी है, कि क्या शासन-प्रशासन में बैठे नुमाइंदों को यह नहीं पता कि अधिकतर अतिथि शिक्षक इसी कार्य के सहारे परिवार का भरण-पोषण करते आ रहे हैं। जिनको अपने घर परिवार चलाने क्या

चूल्हा जलाए रखने में भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। जिसका ध्यान शासन-प्रशासन में बैठे जिम्मेदारों को कब

आएगा? खैरवार ने आगे बताया, कि इस तरह का भेद-भावपूर्ण व्यवहार लंबे समय से चला आ रहा है। हर समय

सवाल उठाते आने के बाद भी सुधार नहीं किया जा रहा है। समय पर मानदेय न मिलने से आर्थिक तंगी, स्कूलों में नियमित शिक्षकों के

घर-घर मनाया गया रक्षाबंधन का पर्व

भाईयों की कलाईयों में सजा बहनों का प्यार

* बाजार में पसरा रहा सन्नाटा, घरों में रही चहल-पहल।

हरिभूमि न्यूज ►► मण्डला

काफी वर्षों के बाद इस वर्ष रक्षाबंधन पर्व पूरे दिन मनाया गया पिछले कुछ वर्षों से शुभ मुहूर्त को लेकर सशय की स्थिति बनी रहती थी कि किस समय राखी बंधवाना है और किस समय नहीं। इस वर्ष ऐसी कोई स्थिति निर्मित नहीं हुई और बहनों ने अपने प्यार से भाईयों की कलाई को सजाया और उनसे जीवन भर रक्षा का वचन लिया।

क्या है पौराणिक मान्यताएं

रक्षाबंधन का त्यौहार श्रावण मास की पूर्णिमा को मनाया जाता है। इसके पीछे इंद्र और इंद्राणी, कृष्ण-द्रोपदी, तथा यमराज-यमुना जैसी कई पौराणिक कथाएं जुड़ी हैं जो



रक्षा और स्नेह के बंधन को दर्शाती हैं। रक्षाबन्धन आत्मीयता और स्नेह के बन्धन से रिश्तों को मजबूती प्रदान करने का पर्व है। यही कारण है कि इस अवसर पर न केवल बहन भाई को, बल्कि अन्य सम्बन्धों में भी रक्षा (या राखी) बाँधने का प्रचलन है। गुरु शिष्य को रक्षासूत्र बाँधता है तो शिष्य गुरु को। भारत में प्राचीन काल में जब स्नातक अपनी

शिक्षा पूर्ण करने के पश्चात गुरुकुल से विदा लेता था, तो वह आचार्य का आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए उसे रक्षासूत्र बाँधता था, जबकि आचार्य अपने विद्यार्थी को इस कामना के साथ रक्षासूत्र बाँधता था कि उसने जो ज्ञान प्राप्त किया है, वह अपने भावी जीवन में उसका समुचित ढंग से प्रयोग करे, ताकि वह अपने ज्ञान के साथ-साथ आचार्य की गरिमा की रक्षा करने में भी सफल हो। इसी परम्परा के अनुरूप आज भी किसी धार्मिक विधि-विधान से पूर्व पुरोहित यजमान को रक्षासूत्र बाँधता है और यजमान पुरोहित को। इस प्रकार दोनों एक-दूसरे के सम्मान की रक्षा करने के लिए परस्पर एक-दूसरे को अपने बन्धन में बाँधते हैं।

रक्षाबन्धन पर्व सामाजिक और पारिवारिक एकबद्धता या एकसूत्रता का सांस्कृतिक उपाय रहा है। विवाह के बाद बहन पराये घर में चली जाती है। इस बहाने प्रतिवर्ष अपने सगे ही नहीं, बल्कि दूर-दराज के रिश्तों के भाइयों तक को उनके घर जाकर राखी बाँधती है और इस

प्रकार अपने रिश्तों का नवीनीकरण करती रहती है। दो परिवारों और कुलों का पारस्परिक मिलन होता है। समाज के विभिन्न वर्गों के बीच भी एकसूत्रता के रूप में इस पर्व का उपयोग किया जाता है। इस प्रकार जो कड़ी टूट गयी है, उसे फिर से जागृत किया जा सकता है यह त्यौहार भाई-बहन को स्नेह की डोर में बाँधता है। इस दिन बहन अपने भाई के मस्तक पर टीका लगाकर रक्षा का बन्धन बाँधती है, जिसे राखी कहते हैं। यह एक हिन्दू व जैन त्यौहार है, जो प्रतिवर्ष श्रावण मास की पूर्णिमा के दिन मनाया जाता है। श्रावण (सावन) में मनाये जाने के कारण इसे श्रावणी (सावनी) या सलूनो भी कहते हैं।

रक्षाबन्धन में राखी या रक्षासूत्र का सबसे अधिक महत्त्व है। राखी कच्चे सूत जैसी सस्ती

वस्तु से लेकर रंगीन कलावे, रेशमी धागे तथा सोने या चाँदी जैसी महँगी वस्तु तक की हो सकती है। रक्षाबन्धन के दिन बहनें भगवान से अपने भाइयों को उन्नति के लिए प्रार्थना करती हैं। सामान्यतः बहनें ही भाइयों को राखी बाँधती हैं, परन्तु ब्राह्मणों, गुरुओं और परिवार में छोटी लड़कियों द्वारा सम्मानित सम्बन्धियों (जैसे पुत्री द्वारा पिता को) को भी राखी बाँधी जाती है। कभी-कभी सार्वजनिक रूप से किसी नेता या प्रतिष्ठित व्यक्ति को भी राखी बाँधी जाती है। रक्षाबन्धन के दिन भाई अपनी बहन को राखी के बदले कुछ उपहार देते हैं।

हिन्दू धर्म के सभी धार्मिक अनुष्ठानों में रक्षासूत्र बाँधते समय कर्मकाण्डी पण्डित या आचार्य संस्कृत में एक श्लोक का उच्चारण करते हैं, जिसमें रक्षाबन्धन का सम्बन्ध राजा बलि से स्पष्ट रूप से दृष्टिगोचर होता है।



बाइक की टक्कर से छात्रा की मौत



* अस्पताल ले जाते तोड़ा टग, बहन से राखी बंधवाने जा रहा था युवक।

हरिभूमि न्यूज ►► मण्डला

मंडला जिले के बिछिया थाना क्षेत्र में शुक्रवार को एक सड़क हादसे में 14 वर्षीय छात्रा की मौत हो गई। मृतिका की पहचान लक्ष्मी बाई ताराम (14), निवासी झुलुप कन्हारी, बिछिया के रूप में हुई है। लक्ष्मी कक्षा 7वीं की छात्रा थी।

यह घटना तब हुई जब तिलई बम्हनी निवासी अजय यादव रक्षाबंधन के अवसर पर अपनी बहन के घर राखी बंधवाने के लिए बाइक से जा रहे थे। इसी दौरान उन्होंने नहाकर घर लौट रही लक्ष्मी को टक्कर

मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई।

हादसे के बाद परिजन और स्थानीय लोग घायल लक्ष्मी को उपचार के लिए बिछिया अस्पताल लेकर पहुंचे। यहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे जिला अस्पताल मंडला रेफर कर दिया गया।

हालांकि, जिला अस्पताल पहुंचने के दौरान रास्ते में ही लक्ष्मी ने दम तोड़ दिया। अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। इस दुर्घटना में बाइक सवार भी घायल हुआ है।

जिला अस्पताल में शव का पोस्टमार्टम कर परिजनों को सौंप दिया गया है। अस्पताल चौकी द्वारा घटना की सूचना बिछिया पुलिस को दी जा रही है।

मेधावी छात्र सम्मान समारोह 1 सितंबर को

मण्डला। माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा आयोजित हायर सेकेंडरी बोर्ड परीक्षा 2026 में 75 प्रतिशत अथवा उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के लिए प्रतिभाशाली विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत मेधावी छात्र सम्मान समारोह का आयोजन 1 सितंबर को किया जाएगा। राज्य स्तरीय कार्यक्रम दोपहर 3 बजे कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन सेंटर, मिंटो हॉल भोपाल में मुख्यमंत्री के मुख्य आतिथ्य में आयोजित होगा। योजना के तहत पात्र विद्यार्थियों को लैपटॉप क्रय करने के लिए प्रति विद्यार्थी 25 हजार रुपये की राशि बैंक खाते में वन क्लिक के माध्यम से अंतरित की जाएगी।

छोटे भाई ने बड़े भाई की फावड़े से की हत्या

* पहले साथ पी शराब, मुर्गा बनाने को लेकर हुआ विवाद।

हरिभूमि न्यूज ►► मण्डला

मंडला जिले के बिछिया थाना क्षेत्र के ग्राम नेवसा में छोटे भाई ने अपने बड़े भाई की फावड़े से वार कर हत्या कर दी। पुलिस ने सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की।

जानकारी के अनुसार, ग्राम नेवसा निवासी बाजारी मरकाम (45) और उसके छोटे भाई अनिल मरकाम (40) के बीच शराब पीने के बाद मुर्गा बनाने को लेकर विवाद हुआ। विवाद बढ़ने पर अनिल मरकाम ने फावड़े से बाजारी मरकाम के सिर पर वार कर दिया। गंभीर चोट लगने से बाजारी की घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

घटना की सूचना आरोपी अनिल मरकाम की बेटी ने पुलिस को दी। उसने बताया कि उसके



पिता ने ही बड़े पिता की हत्या की है। सूचना मिलने पर बिछिया पुलिस घटनास्थल पर पहुंची, शव को कब्जे में लिया और पंचनामा कार्यवाई की। मृतक का शव बिछिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की मर्चुरी में रखा गया है।

बिछिया थाना प्रभारी रंजीत सैयाम ने बताया कि रात्रि में ग्राम

कोठवार-नेवसा के कोटवार ने एक व्यक्ति को हत्या की सूचना दी थी। मौके पर पहुंचकर जांच करने पर बाजारी मरकाम की हत्या उसके भाई अनिल मरकाम द्वारा किए जाने की पुष्टि हुई। पुलिस ने मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है और आरोपी अनिल मरकाम की तलाश जारी है।

फेलसीफेरम मलेरिया से 18 साल के युवक की मौत

हरिभूमि न्यूज ►► मण्डला

मंडला जिले में जिले में फेलसीफेरम मलेरिया से युवक (18) की मौत के बाद स्वास्थ्य विभाग सक्रिय हो गया है। खारी बबिलिया माल क्षेत्र के साजपानी गांव निवासी राहुल यादव रक्षाबंधन पर उज्जैन से घर लौटा था। तबीयत बिगड़ने पर उसे मंडला के कटरा अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां गुरुवार रात इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

कटरा अस्पताल के निदेशक शिलानंद टोप्पो ने बताया कि राहुल यादव (18) को गुरुवार को गंभीर और बेहोशी की हालत में अस्पताल लाया गया था। जांच में फेलसीफेरम मलेरिया की पुष्टि हुई। राहुल को आईसीयू में भर्ती कर उपचार दिया गया, लेकिन रात करीब 10 बजे उसकी मौत हो गई।

गांव में घर-घर होगी मलेरिया की जांच

युवक की मौत की जानकारी मिलते ही स्वास्थ्य विभाग ने टीम साजपानी भेजी है। सीएमएचओ डॉ. डी.जे. मोहंती ने बताया कि



बीएमओ नारायणगंज और मलेरिया विभाग की टीम घर-घर जाकर लोगों की जांच करेगी। टीम मरीजों की जांच और उपचार के साथ ग्रामीणों को मलेरिया से बचाव के तरीके भी बताएगी। क्षेत्र में फॉगिंग और दवाओं का छिड़काव भी कराया जाएगा।

निजी अस्पतालों से भी जुटाया जा रहा डेटा

सीएमएचओ ने बताया कि ब्लॉक स्तर पर उल्टी-दस्त और मलेरिया के मरीजों की जानकारी रोज जुटाई जा रही है। अब निजी अस्पताल, क्लीनिक और लैब से भी मरीजों का डेटा लिया जा रहा है। जिले की स्थिति पर नजर रखने के लिए

जिला स्तर पर कोर टीम बनाई गई है। यह टीम दिन में दो बार अलग-अलग स्रोतों से जानकारी जुटाएगी।

अब तक करीब 40 पॉजिटिव मरीज मिले

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार जिले में मलेरिया की जांच के लिए लगातार स्लाइड तैयार की जा रही हैं। अब तक करीब 40 मरीजों में मलेरिया की पुष्टि हुई है और उनका उपचार जारी है। पूर्व से चिन्हित मलेरिया हॉटस्पॉट क्षेत्रों में भी स्वास्थ्य विभाग की टीमें सक्रिय हैं। विभाग ने लोगों से बुखार या मलेरिया के लक्षण दिखाई देने पर तुरंत जांच और उपचार कराने की अपील की है।

ख़बर संक्षेप

श्रावणी उपाकर्म विप

बंधुओं ने किया संपन्न



हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। क्षेत्रवासियों का बड़ा सौभाग्य है कि उन्हें माँ नर्मदाजी के पावन तट पर जन्म लिया है जिसके चलते वह माँ नर्मदाजी के आशीर्वाद से जहां सुख समृद्धि हासिल करते हुये देखे जा रहे है तो दूसरी ओर आये दिन माँ नर्मदाजी के पावन तटों पर ब्राम्हण देवों द्वारा जिस तरह धार्मिक आयोजन किये जाते है उनके दर्शन करने का सौभाग्य भी मिलने से नही चूक पाता है। कुछ इसी प्रकार से बीते हुये शुक्रवार को श्रावणी उपाकर्म के दौरान देखने में मिला। पुण्य सलिला माँ रेवा का दक्षिण तट पर प्रति वर्षानुसार इस वर्ष भी श्रावणी उपाकर्म आचार्य पंडित विश्वनाथ दुबे के सानिध्य में श्रावण पूर्णिमा दिन शुक्रवार को संपन्न हुआ। इस दौरान अनेक त्वप्रबन्ध मौजूद थें। इस आयोजित धार्मिक आयोजन के दर्शन करने के ल्यये लोगों की भीड़ उमड़ते हुये देखी गई।

श्री तारण तरण जैन चैत्यालय जी में परंपरागत रूप से मनाया गया रक्षाबंधन पर्व



हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी भादवा बदी चतुर्दशी की रात्रि में श्री तारण तरण जैन चैत्यालय जी में रक्षाबंधन का पर्व बड़े ही श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। बताया जाता है ़क रक्षा बंधन के अवसर पर चैत्यालय जी में जैन समाज समुदाय द्वारा रक्षाबंधन के धार्मिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कथा का वाचन किया गया। वहीं कथा में उल्लेख किया गया कि किस प्रकार आज के दिन मुनिश्री विष्णु कुमार ने अपनी सिद्धि से राजा बलि के प्रकोप से अर्कपनाचार्य सहित सात सौ मुनियों की रक्षा की गई थी। वही राजा बलि द्वारा मुनियों पर घोर उपसर्ग किया जा रहा था, तब मुनिश्री विष्णु कुमार ने धर्म की रक्षा करते हुए सभी मुनियों को सुरक्षित बचाया था। इसी स्मृति में जैन धर्म में रक्षाबंधन का पर्व मनाया जाता है। वही कथा के उपरांत चैत्यालय जी में उपस्थित सभी श्रद्धालुओं ने एक-दूसरे को प्रेम और आत्म-रक्षा के प्रतीक के रूप में रक्षा सूत्र बांधा और अहिंसा व भाईचारे के मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। इस दौरान समाज के वरिष्ठजन एवं युवा बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

सूखाखेरी में उल्लास साक्षरता की बैठक हुई आयोजित



हरिभूमि न्यूज/चीचली। जनपद पंचायत चीचली के अंतर्गत आने वाले जन शिक्षा केंद्र ग्राम सूखा खेरी में बीते हुये दिवस उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत विकासखंड सह समन्वयक लेखराम गौतम के द्वारा सर्वे कार्य पूर्ण की स्थिति हेतु शासकीय एवं अशासकीय प्राथमिक/ माध्यमिक/ हाई स्कूल/ हायर सेकेंडरी स्कूल के बच्चों का अक्षर साक्षी के रूप में कैसा पंजीयन किया जावे। इस संबंध संबंध में जरूरी जानकारी दी गई एवं शेष अशाक्षरों का सर्वे कार्य 15 सितंबर तक पूर्ण करने की बात कही गई। इस बैठक मे जन शिक्षा केंद्र सह समन्वयक नरेश कुमार मेहरा के द्वारा अकादमिक गतिविधियों पर भी चर्चा करते हुये जरूरी दिशा निर्देश दिये गये। उक्त बैठक जनशिक्षा केंद्र प्रभारी महेंद्र कौरव के निर्देशन मे में आयोजित की गई।

बहिनों ने भाईयों की कलाईयों पर राखियाँ बांध लिया रक्षा का वचन, दिन भर रिमझिम बारिश के चलते मौसाम बना रहा सुहाना...

नगर सहित क्षेत्र के गांवों में शुभ मुहूर्त आने के उपरांत बड़े ही हर्ष उल्लास से मनाया गया रक्षा बंधन का पर्व



को लेकर लोगों के अलग अलग मत देखने मिल रहे है। वही देखा जावे तो गुरुवार को जहां पूर्णिमा के चलते दोपहर 12.30 बजे के बाद रक्षा बंधन दिन भर चलते हुये देखा गया। बहिनों ने अपने भाईयों के माथे पर तिलक लगाने के बाद रंग बिरंगी राखियाँ बांध स्नेहमय माहौल में उनसे बहनों के संरक्षण, रक्षा का वचन लिया और भाईयों ने श्रद्धा से बहिनों के चरणों में शीश झुकाकर बहिनों को उपहार देकर संकल्प लिया कि वे अपनी बहिनों की जीवन भर रक्षा सेवा कर भाई बहिन के असीम प्रेम को ज्योति को जलाये रखेंगें। इस प्रकार से रक्षा बंधन के दिन नगर के मंदिरों में भगवान के दर्शन, पूजन और उन्हें राखी अर्पित करने बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे तथा विद्वान पंडितों ने अपने यजमानों के घरों में जाकर उन्हें रक्षा सूत्र बांधकर अपना आशीर्वाद देने के साथ नैतिक शिक्षा एवं आध्यात्मिक संस्थान प्रजापिता ब्रम्हाकुमारी ईश्वरीय

विश्वविद्यालय के लक्ष्मी टाईनशिप कालोनी स्थित सेवा केन्द्र शिव स्मृति भवन में भी विश्व बंधुत्व, भारतत्व भावना के प्रतीक रक्षा बंधन पर्व पर शहरवासियों को रक्षा सूत्र बांधने का कार्यक्रम मंगलमय वातावरण में राखी बांध उन्हें शुभाशीर्वाद प्रदान किया। गौरतलब है कि रक्षा बंधन के एक दिन पहले यानि की गुरुवार को घरों में जहां महिलाये अपने भाईयों के माथे पर तिलक लगा उनकी कलाईयों पर रंग बिरंगी राखियाँ बांधने उत्साहित नजर आते हुए बहिनों ने उमंग, उल्लास के साथ रक्षा बंधन मनाने की तैयारियाँ पूर्ण कर ली थी। वही बाजार में राखियाँ, किरान सामग्री, उपहार का सामान, रेडीमेड व मिठाईयों तथा फल खरीदने वाले लोगों की ढलती शाम तक भीड़ उमड़ती रही और यही हाल कल शुक्रवार को रक्षा बंधन के दिन भी देखने मिला जिसके चलते बाजार सहित राखि बाजार में भीड़ के रूप में जनसेलाब उमड़ता हुआ

नजर आया। क्योंकि भाई बहिन के प्रेम का प्रतीक यह पर्व हिन्दू हर वर्ष मनाते है। मान्यता है कि देवताओं के गुरु वृहस्पति ने ही देवराज इंद्र को असुरों पर विजय पाने के लिए रक्षा बंधन पर्व मनाने का सुझाव दिया था तभी से रक्षा बंधन पर्व मनाने की परम्परा चल रही है। हिन्दू धर्म में रक्षा बंधन पर्व मनाने का खास महत्व इसलिए है कि बहिन द्वारा भाई की कलाई में रक्षा सूत्र बांधने के साथ भाई से बहिन जीवन भर संरक्षण, सम्मान की रक्षा का वचन मांगती है और बदले में भाई अपनी बहिन को उपहार भेंट कर उसके चरणों में नमन कर बहिनों के अंतर्मन में नया उल्लास भरते है, जिसके चलते रक्षा बंधन के अवसर पर नगर के झंडा चौक पर स्थित राखी बाजार में जहां दिन भर भीड़ लगी रही। वही दूसरी ओर यही हाल समीपस्थ साईंखेड़ा में भी देखा गया जहां पर राखी बाजार में दिन भर भीड़ इस प्रकार से देखने मिली की लोगों का बाजार में पैदल

चलना मुश्किल नजर आने लगा था। इस तरह रक्षा बंधन के मौके पर बाहर रह रहे अपने भाईयों को बहिन से रखी बंधबाने के लिए घर आने तथा अनेक बहिनों को अपने भाईयों को राखि बांधने के लिए उनके घर जाने के चलते जहां बसों में भीड़ भाड़ की स्थिति देखने मिली। वही दूसरी ओर यही हाल ट्रेनों में भी देखने मिला जिसके चलते समस्त ट्रेनों पूर्णरूप से फुल होकर निकल रही थी तथा रेल्वे स्टेशन पर दिन भर भीड़ भाड़ की स्थिति देखने मिली। वही क्षेत्र की सड़को पर भी चार पहिया व दो पहिया वाहनों की धमचौकड़ी दिन भर मची रही जिसके चलते रक्षाबंधन त्यौहार मनाने की खुशी लोगों के चेहरों में स्पष्ट नजर आ रही थी। वही दूसरी ओर रक्षा बंधन त्यौहार को शान्ति पूर्वक मनाने की सोच के चलते जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में नगर का पुलिस प्रशासन पूर्णरूप से अलर्ट मूड में दिखाई पड़ा।

भाईचारे का अनूठा कजलियाँ पर्व आज



हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। समूचे बुन्देल खंड अंचल में सदियों से मनाया जाने वाला कजलियाँ पर्व आज शनिवार को शहर में हर्ष के साथ मनाया जावेगा। इस रिवाज के चलते जिन लोगों के घरों में कजलियाँ बोई जाती है उनके घरों की महिला दोपहर के बाद सबसे पहले अपने ईष्ट देव की पूजन करने के बाद कजलियों को लेकर नगर की जीवन रेखा माने जाने वाली शक्कर नदी में ले जाकर कजलियों को पूजन करने के बाद वहां से धोकर लायेगी और इसके बाद मंदिर में रखते हुए भगवान की पूजन की जावेगी। जिसके चलते शहर के निवासी राग द्वेप

भुला भगवान को कजलियाँ समर्पित करने के बाद लोगों से पीली कजलियों का अदान प्रदान कर शहर में भाईचारे की गंगा बहाते हुए शहरवासियों को सुखी खुशहाल बनाने की ईश्वर से प्रार्थना करेगे। बताया जाता है कि कजलियाँ पर्व के मौके पर आज लोग जहां युवाओं को बुजुर्गों का आशीष मिलेगा। वही बच्चों को युवाओं व बजुर्गों की शुभ कामनाएं मिलेगी। गौरतलब है कि प्रचलित रिवाज के अनुसार आज शहरवासी शोक से डूबे हुए परिवारों में कजलियाँ लेकर पहुंचेंगे जो अपने प्रियजन के विछोह से शोकाकुल है उन्हें इस त्यौहार पर शोक सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना करेगे। वही इन परिवारों के परिजनों को कजलियाँ देकर उनके द्वारा उनका दूख दूर किया जाएगा।

गणेश प्रतिमाओं को स्वरूप देने की हुई शुरुआत

हरिभूमि न्यूज/ बारहाबड़ा। हमारे हिन्दू धर्म में सर्व प्रथम पूज्य माने जाने प्रजापति का कहना है कि लगातार बढ़ रही महंगाई के चलते जहां उन्हें प्रतिमाओं के निर्माण करने में परेशानियों का सामना तो करना पड़ रहा है। मगर इसके बाद भी जब उनके द्वारा निर्मित किये जाने वाली प्रतिमाओं का पूजन होता है तो मन में बड़ी संतुष्टि का अहसास होता है। क्योंकि उनके द्वारा मिट्टी से बनाई गई प्रतिमाएं जहां पायावरण को क्षति नही पहुंचाती है और वह विसर्जन होने के बाद घुल भी जाती है..? मगर वही दूसरी ओर इन कलाकारों द्वारा इस बात पर भी खेद व्यक्त किया गया है कि शासन द्वारा पीओपी से निर्मित होने वाली प्रतिमाओं पर रोक लगाने के बाद भी इनका बाजार में खुलेआम व्यापार होता रहता है और प्रशासन अपने आंखें बंद कर लेता है, जिसके चलते इन प्रतिमाओं के बाजार में आने के कारण हम लोगों का कारोबार तो प्रभावित होता ही है साथ ही साथ पायावरण को भी प्रतिकूल असर पड़ता है।



कलाकारों द्वारा इस बात पर भी खेद व्यक्त किया गया है कि शासन द्वारा पीओपी से निर्मित होने वाली प्रतिमाओं पर रोक लगाने के बाद भी इनका बाजार में खुलेआम व्यापार होता रहता है और प्रशासन अपने आंखें बंद कर लेता है, जिसके चलते इन प्रतिमाओं के बाजार में आने के कारण हम लोगों का कारोबार तो प्रभावित होता ही है साथ ही साथ पायावरण को भी प्रतिकूल असर पड़ता है।

अप डाउन संस्कृति पर नहीं लग पा रही रोक, शासन की योजनाएं हो रही फेल

हरिभूमि न्यूज/साईंखेड़ा। ब्लाक मुख्यालय के अंतर्गत जितने भी कार्यालय है उनमें चंद अधिकारियों कर्मचारियों को छोड़ दिया जावे तो अनेक अधिकारी ऐसे है जो अप डाउन संस्कृति को न अपनाये हो अनेक कार्यालयों में पदस्थ अधिकारी कर्मचारियों की अप डाऊन संस्कृति के चलते शासन की योजनाएं फेल होती जा रही है। यहां पर अनेक विभागो के कार्यालयों में पदस्थ प्रमुख अधिकारियो से लेकर छोटे छोटे कर्मचारी तक अप डाउन करते हुए अपनी डियूटी जिस प्रकार से निभा रहे है कि लोग अपनी कार्यों के लिए उनका इंतजार करते हुए देखे जाते है। इतना ही नही यहां के प्रमुख ब्लाक कार्यालय से लेकर तहसील कार्यालय व अन्य विभागों के कार्यालयों में पदस्थ अधिकारियों सहित अनेक कार्यालयों में का यही हाल चल रहा है..? और ऐसा कई सालो से चलता आ रहा है कोई कार्यवाही न होने के कारण अधिकारी अपनी मनमानी से कार्य करते आ रहे है। जब मन करें आ जाते है जब मन करे तब चले जाते है कोई रोकने वाली नही है। यह बात जरूर है कि यदि ऐसा कोई छोटा कर्मचारी करे तो नोटिस जारी होने लगते है। लेकिन जो उस विभाग का मुखिया होता है उस पर कार्यवाही करने वाला कोई नही रहता।

इस प्रकार से शासकीय कार्यालयों में चल रही मनमानी को लेकर आज तक कोई भी जिला स्तर के अधिकारी द्वारा इस अप डाउन संस्कृति पर अपनाने वाले अधिकारियो पर अंकुश नही लगा पा रहे है? जिसके कारण अधिकारियों द्वारा शासन द्वारा जो समय निश्चित है उस समय पर न तो वह कार्यालय पहुंच पाते है और न ही लोगों की समस्याओं को सुना जाता है..? इसी का परिणाम है कि आम जनता की समस्या का हल नही निकलता व शिकायतें दिनों दिन बढ़ती जाती है। कुछ विभागों के अधिकारियों व कर्मचारियों का हाल तो यह बना हुआ है कि वह ट्रेनों के माध्यम से अपडाऊन कर रहे है। पहले ट्रेन गाडरवारा आती है इसके बाद वह बस या फिर अन्य किसी दूसरे साधन से साईंखेड़ा पहुंचते है। इस संबंध में यहां के कर्मचारियों का कहना होता है कि वह उसी समय पर आयेगे जिस समय ट्रेन आएगी, साहब भी बेचारे क्या करे वह तो आना चाहते है पर ट्रेन लेट हो जाती है जिस कारण साहब समय पर आफिस नही पहुंच पाते है। जब ट्रेन गाडरवारा आयेगी और फिर साहब यहां आवेंगे। जिससे कार्य प्रभावित होते है तो होते रहे अब अपने परिवार थोड़ी छोड़ देवे...?

ग्रामीणी क्षेत्रों में अतिक्रमण की सच्चाई को छुपाते हुये पटवारियों द्वारा अतिक्रमण कारियों को संरक्षण...?

हरिभूमि न्यूज/कल्याणपुर। ग्रामीणी क्षेत्रों में खाली पड़ी हुई शासकीय भूमि इस समय अतिक्रमण की भेंट चढ़ते हुये हर वर्ष लाखों रुपया कमाने से नही चूक पा रहे है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते कुछ वर्ष पहले समीपस्थ सालौतीका के पीड़ार के पास उस समय देखने मिल चुकी है जहां पर शासन के रिकार्ड के अनुसार तो काफ़ी मात्र में शासकीय भूमि पड़ी हुई है। मगर जब गाम के लोगों को एक वृद्ध महिला के शव का अंतिम संस्कार करने के लिये जगह उपलब्ध नही हो पा रही है। वही दूसरी ओर अतिक्रमणकारी उसे शासकीय भूमि पर फसले पैदा करते हुये हर वर्ष लाखों रुपया कमाने से नही चूक पा रहे है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते कुछ वर्ष पहले समीपस्थ सालौतीका के पीड़ार के पास उस समय देखने मिल चुकी है जहां पर अनेक गांवों में शासन की रिकार्ड में तो कई एकड़ शासकीय भूमि बंजर के रूप में पड़ी हुई है। मगर यदि मौके पर जाकर देखा जावे तो वहां पर लोगों की फसल लहलहाते हुये दिखाई देने से नही चूक पा रही है? इसी बात को ध्यान में रखते हुये कुछ वर्ष पहले तत्कालीन जिला कलेक्टर द्वारा जिले के समस्त पंचायतों को अपने अपने हल्का क्षेत्रों में शासकीय भूमि व उस पर हुये अतिक्रमण की रिपोर्ट पेश करने का आदेश जारी किये गये थें। मगर अधिकारियों द्वारा दिये गये इस आदेश को लेकर जिस प्रकार से पटवारियों द्वारा सच्चाई के विपरित रिपोर्ट तैयार करते हुये पेश करने में कोई कसर नही छोड़ी और अतिक्रमणकारियों से लक्ष्मी स्वरूप आशीर्वाद प्राप्त किये जाने का परिणाम है कि उस सच्चाई पर यदि गौर किया जावे तो अनेक जगहों पर आज भी अतिक्रमणकारियों के कब्जे में होने के साथ उस पर ट्यूबवेल दिखाई देने से नही चूक पा रही है

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। समाज सेवा के लिये सदा ही अग्रणी दिखाई देने वाले मुकेश बर्सेडिया द्वारा क्षेत्र की सुख समृद्धि के लिये आये दिन अनेक प्रकार के धार्मिक आयोजना व अनुष्ठान कराने में पीछे नही रहते है। इसी के चलते बीते हुये गुरुवार को यानि की श्रावण मास के अंतिम चरणों में माँ रेवा मैया के पावन पर स्थित श्री पंचमुखी हनुमान मन्दिर परिसर में मुकेश बर्सेडिया द्वारा प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी असंख्य रुद्री निर्माण एवं रुद्राभिषेक का आयोजन महान सन्तो के सानिध्य में क्षेत्र की सुख समृद्धि की कामना करते हुये किया गया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न जन सेवा कार्यों भी किये गये। इस आयोजन मे सर्व प्रथम गाम माता, कन्या एवं संत पूजन के साथ साथ बेटियों के पैर पखार कर उन्हें वख, श्रृंगार, आर्कषक स्कूल बैग, पठन लेखन,



शिक्षण सामग्री भेंटकर शिक्षा के प्रति जागरूगता का संचार करते हुये उनसे आशीर्वाद ग्रहण किया गया। इसके उपरोक्त अनुष्ठान का आयोजन परम संत बंशीदास त्यागी महाराज की प्रेरणा व वयोवृद्ध संत सुदामा दास के सानिध्य तथा सुप्रसिद्ध कथाव्यास व कर्मकांडी आचार्य पं नर्मदा प्रसाद शास्त्री सहित वेदपाठी पं हर्ष दुबे ने रुद्री निर्माण कराते हुये पूर्ण

व्रधि विधान के साथ रुद्राभिषेक कार्य को संपन्न कराया गया। इस दौरान आयोजन स्थल पर भंडारे प्रसादी उपरांत बर्सेडिया ने रुद्री निर्माण करने के ल्यये शामिल हुई दर्जनों की संख्या में माताओं, बहनों, स्थानीय भक्तों सहित आगंतुकों को मच्छरदानी, रुमाल व रामनाम लेखन पत्रिका भेंटकर सम्मानित किया गया। बताया जाता है कि इस मौके पर मनोज शर्मा, प्रिन्स बर्सेडिया, तनुश्री बर्सेडिया, सुरेंद्र गोहल, चंद्रभान विश्वकर्मा, नीलेश तिगुनाथ, सुनील राय, बलराम भाई, वरिष्ठ शिक्षक मधुसूदन पटेल के साथ अनेक भक्तों मौजूद थें। बताया जाता है कि श्रावण मास के दौरान क्षेत्र की सुख समृद्धि की कामना करते हुये मुकेश बर्सेडिया द्वारा यह आयोजन विगत ग्यारह वर्षों से लगातार िक्या जा रहा है।

चीचली जनपद के खड़ई स्कूल में छात्राओं के बीच आयोजित की गई मेंहदी सहित राखी बनाओ प्रतियोगिता

हरिभूमि न्यूज/कल्याणपुर।

देश के प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी की युवाओं को आत्म निर्भर बनाने की साच को अमलीजामा पहनाते हुये अब शिक्षण संस्थाओं में भी स्वदेशी सामग्री के निर्माण के प्रति छात्र छात्राओं को जागरूक करते हुये त्दखाई देने लगा है। इसी के चलते भाई बहिन के स्नेह पूर्ण महा पर्व रक्षाबंधन की पूर्व संध्या पर बीते हुये गुरुवार को जनपद पंचायत चीचली के अंतर्गत आने वाले ग्राम खड़ई के शासकीय उ मा विद्यालय में छात्राओं के बीच राखी बनाने के साथ साथ मेंहदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस आयोजन मे छात्राओं के अलावा छात्रों ने भी उत्साह पूर्वक सहभागिता करते हुये अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया गया। बताया जाता है कि इस प्रतियोगिताओं मे संस्था के विद्यार्थियों ने स्वयं राखियाँ बनाते हुये उन्हें आकर्षक ढंग से सजाकर उनका प्रदर्शन किया गया। इसके अलावा छात्राओं ने एक दूसरे के हाथों मे आकर्षक मेहंदी लगाते हुये



सावन की हरियाली की उमंग को चार चांद लगाने में कोई कसर नही छोड़ी गई थी। इस तरह प्रतियोगिता के उपरांत छात्र छात्राओं को पुरस्कारों का विवतरण भी किया गया। इस प्रकार से राखी बनाओ प्रतियोगिता मे अमन लोधी ने प्रथम, रानू मेहरा ने द्वितीय एवं जानकी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वही दूसरी ओर मेहंदी प्रतियोगिता मे रिचा कौरव ने प्रथम, रुबीना बी ने द्वितीय तो रानू मेहरा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया गया। वही इस तरह छात्र छात्राओं के बीच प्रतियोगिता मे रिचा कौरव ने प्रथम, रुबीना बी ने द्वितीय तो रानू मेहरा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया गया। वही इस तरह छात्र छात्राओं के बीच प्रतियोगिता मे रिचा कौरव ने प्रथम, रुबीना बी ने द्वितीय तो रानू मेहरा ने तृतीय स्थान प्राप्त किये गये इस कार्यक्रम के अंत मे

शिक्षित बेरोजगारों का निजी शिक्षण संस्थाओं द्वारा किया जा रहा शोषण

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। नगर सहित संपूर्ण क्षेत्र में शिक्षा के नाम पर लोगों द्वारा जिस प्रकार से दुकानदारी चलाई जा रही है उससे बच्चों का भविष्य बनना कम और स्कूल संचालको का निजी स्वायं च्यादा ही नजर आ रहा है..? क्योंकि शहर के साथ साथ ग्राम क्षेत्रों में दिन दिन उमंग रही शिक्षण संस्थाओं की सच्चाई पर गौर किया जावे तो वह स्कूल शिक्षा विभागों के नियमों के विरुद्ध स्थापित सुविधाहीन शालायें शिक्षा के नाम पर व्यवसाय करने में जुटी हुरई है? इस प्रकार के विद्यालयों में मूलभूत सुविधाओं अलावा विशेषज्ञ शिक्षकों एवं खेल मैदानों का अभाव एक विकट समस्या बना हुआ है। जिसका प्रभाव छात्रों के भविष्य पर पड़ रहा है। शहर से लेकर गांव गांव स्थापित निजी शालायें मात्र शिक्षा की दुकान बनकर रह गई हैं? ऐसी दुकाननुमा शालाओं की शिक्षा हमारे होनहारों पर क्या असर छोड़ेगी इससे सभी अजान नहीं हैं..? शिक्षा की दुकान बनी निजी शिक्षाओं को बढ़ावा देने मे पालक भी कम दोषी नहीं हैं क्योंकि वे जानबूझकर निजी शालाओं के आकर्षण में पड़कर बच्चों का दाखिला करवा देते है और बाद में पछताते हैं। इस समय नगर के आलवा ग्रामीणी क्षेत्रों में देखा जावे तो ऐसी अनेक शिक्षण संस्थायें हैं जहाँ पर मात्र 10 वीं से 12 वीं पास युवक युवती उत्पन्न वेतन मानदेय पर शिक्षक के रूप में सेवाये देकर बेरोजगारी के समय में शोषित हो रहे है, इन निजी शालाओं में ना तो छात्र-छात्राओं को पीने के लिये शुद्ध पेयजल, पेशाबघर, शौचालय, खेल मैदान व बैठने के लिये हवादार कमरे भी नहीं हैं। नगर में ऐसी कई शालायें तो किराये के रहवासी मकानों में लग रही हैं इसके बाद भी शिक्षक संस्थाओं के संचालक पालकों से सभी व्यवस्थाओं के नाम पर मनमानी फीस वसूल रहे हैं। वही कुछ स्कूलों के संचालको बात करे तो वह गांव में इस प्रकार से अवेजी स्कूलों का संचालन कर रहे है, जिन्हें खुदे तो अवेजी आती नही है और वह बच्चों को शिक्षा देने वाले शिक्षकों का संचालन करने बैठे हुए है? क्या इन स्कूलों में बच्चों द्वारा दी जाने वाली फिस के मुताबिक पढ़ाई हो पायेगी..? इस तरह गाजर घास की तरह उग रही शिक्षण संस्थाओं की जीव करे जो नियमों को दर किनार करके जेबें भरने में लगी हुई दिखाई देने से नही चूक रही हैं। अनेक शिक्षण संस्थाओं की सच्चाई तो इस तरह है कि बच्चों को खेलने के लिये निश्चत भूखंड का मैदान होना जरूरी है किंतु यहाँ जो देखने में आ रहा है उससे स्पष्ट रूप से लग रहा है कि शिक्षण संस्थाओं के नाम पर मात्र पैसा कमाया जा रहा है। किराये के मकानों में संचालित होने वाली अवेजी माध्यम की एक संस्था का तो यह है हाल है कि ग्रामीणी क्षेत्रों से बच्चों वाहन सुविधा के नाम पर पैसा लिया जा रहा है, और उसी वाहन में खुलेआम दिन भर सवाली द्रोई जा रह है, उन्ही के साथ बच्चों की भी अंग कटरी की तरह बैठकर पर पहुंचा दिया जाता है,यदि इस प्रकार की संस्थाओं की ईमानदारी से जांच हो जावे तो फीस बसूली जाती है उतनी सुविधाएं नजर नही आ रही है।



हर्षोल्लास के साथ मनाया गया रक्षाबंधन का त्योहार

बहनों ने राखी से सजाई भाइयों की कलाई ,भाई व बहन के अटूट रिश्ते का प्रतीक है रक्षा बंधन

हरिभूमि न्यूज़-नरसिंहपुर। शुक्रवार को सम्पूर्ण जिले में भाई-बहन के पवित्र स्नेह का त्योहार रक्षाबंधन हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। बहनों ने अपने भाई की कलाई पर राखी बाँध कर दीर्घ आयु एवं सुख समृद्धि की कामना की। सुबह से ही बहनों ने राखी और पूजन सामग्रियों की थालियां सजाना शुरू कर दिया। थालियों में रोली, कुमकुम, अक्षत, दीपक और आकर्षक राखियां रखी गईं। निर्धारित मुहूर्त में बहनों ने भाइयों को तिलक लगाया। उनके दाहिने हाथ पर राखी बांधी और आरती उतारी। मिठाई खिलाकर उन्होंने भाइयों की लंबी उम्र और सुख-समृद्धि की कामना की। नगर में रक्षाबंधन पर्व को पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। शहर से लेकर ग्रामीण इलाकों तक भाई-बहन के पवित्र रिश्ते का यह त्योहार लोगों के चेहरों पर मुस्कान लाता रहा। भाइयों ने बदले में बहनों को रक्षा का संकल्प दिया। साथ ही दक्षिणा और मनपसंद उपहार भी भेंट किए।

भाईयों ने बहन को दिए गए मनपसंद उपहार

रक्षाबंधन के त्यौहार को लेकर तैयारियां भाई एवं बहन द्वारा बीते एक सप्ताह पूर्व प्रारंभ कर दी गई थी। शुक्रवार को बहनों ने भाईयों की कलाई पर राखी बांधी और उनके सुखी, समृद्ध तथा खुशहाल जीवन की कामना की वहीं भाईयों ने बहन का रक्षा का संकल्प लिया। त्यौहार को लेकर बाजारों में भी रक्षाबंधन का रंग जमकर बिखरा। मिठाई, उपहार और सजावटी वस्तुओं की दुकानों पर भीड़ गुरुवार को देर रात तक देखी गई। सुबह से राखी एवं मिठाई दुकानो पर



भीड़ रही। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी इस पर्व की रौनक में डूबे नजर आए। जगह-जगह परिवारों के बीच मिलन का दौर चलता रहा। शहर के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी घर-घर रक्षाबंधन का उत्साह देखने को मिला। कई परिवारों में दूर-दराज रहने वाले भाई-बहन इस खास दिन के लिए घर लौटे। इससे मिलन का माहौल और भी खुशनुमा बन गया।

ये है पौराणिक कथा

रक्षा बंधन का त्यौहार प्राचीन काल से मनाया जा रहा है। इसे लेकर पौराणिक मान्यता के अनुसार जब राजा बलि ने दो गज भूमि भगवान को दी थी तब भगवान ने डेढ़ गज में ही पूरी श्रुष्टि माप ली थी आगे पैर रखने जगह नहीं थी तब राजा बलि स्वयं लेट गए थे तब भगवान ने प्रसन्न होकर कहा मांगो क्या वरदान चाहिए



तब राजा बलि ने भगवान से कहा कि आप मेरे दरबारी बन जाओं तब भगवान को राजा बलि से छुड़ाने के लिए लक्ष्मी जी ने राजा बलि को राखी बांधी थी तब राजा बलि ने रक्षा की प्रतिज्ञा लेकर कहा मांगो क्या चाहिए तब लक्ष्मी जी ने भगवान को मांग लिया और राजा बलि को पूरे रहस्य की बात बताई तब से यह रक्षा बंधन का त्यौहार मनाया जाता है। जो प्रथा आज भी प्रचलित है। वहीं अन्य पुराणों में भी दूसरा वर्णन मिलता है। सुरक्षा, सम्मान और आपसी आदर की एक व्यापक परंपरा का पर्व

रक्षाबंधन पारंपरिक रूप से भाई-बहन के पवित्र बंधन का उत्सव है।

मंदिरों व बाज्यों में दिनभर रही रौनक

नगर के समीपी दादा महाराज मंदिर में सदर मंदिर नरसिंह भगवान मंदिर गणेश मंदिर काली मंदिर सहित नगर के अनेक मंदिरों में श्रद्धालुओं



की भारी भीड़ उमड़ी। भक्तजन मंदिर पहुंचकर भगवान के दरबार में श्रद्धा भाव से माथा टेकते दिखे। उन्होंने चढ़ावा अर्पित किया और परिवार की सुख-समृद्धि और शांति के लिए मनौतियां मांगीं। मंदिर परिसर में सुबह से शाम तक धार्मिक माहौल बना रहा। त्योहार के चलते शहर के बाजारों में भी दिनभर रौनक बनी रही। राखी, मिठाई की दुकानों पर लोगों की खासी भीड़ रही। मिठाई विक्रेताओं के अनुसार लड्डू, बर्फी और रसगुल्ले की बिक्री में इस बार अच्छी बढ़ोतरी हुई। इस दौरान ट्रेनों बसों और निजी वाहनों में भी यात्रियों की भीड़ रही। शाम होते-होते शहर त्योहार की खुशियों में डूबा नजर आया

बंदियों को बहनों बांधी राखी, खुली मुलाकात

रक्षाबंधन के अवसर पर जेल में निरुद्ध बंदियों की बहनों को खुली मुलाकात की

व्यवस्था केन्द्रीय जेल द्वारा की गई। प्रातः 08 बजे से प्रारंभ मुलाकात में अत्यधिक सुरक्षा व्यवस्था के साथ की गई। जेल के 734 बंदियों एवं 23 महिला बंदियों को उनके भाईयों से इस प्रकार कुल 757 बंदियों को उनकी लगभग 2428 बहनों/भाईयों एवं बच्चों से खुली मुलाकात कराई गयी। भाई-बहन के पवित्र रिस्तों को रेखांकित करने वाला रक्षाबंधन का पर्व परम्परागत तरीके से मनाया गया। इस पवित्र अवसर पर बंदी भाईयों की बहनों द्वारा अपने भाईयों को तिलक लगाकर रक्षासूत्र बांधा गया एवं सतकर्मों द्वारा एक सभ्यनागरिक बनने का वचन दिया। बंदी भाईयों को उपहार के रूप में अपने अंदर समाहित विकारो को त्यागने व अपना आगे का जीवन अच्छाई के मार्ग पर चलकर व्यतीत करने का वचन देने का आग्रह किया। जिस पर सभी बंदी भाईयों ने बुराईयों को त्याग कर आगे का जीवन सतमार्ग पर चलने का वचन दिया।

स्कूल की मान्यता पर सवाल, किरायानामे पर भी संदेह

हरिभूमि न्यूज़ - नरसिंहपुर। नगर के स्टेशनगंज स्थित जय नरसिंह पब्लिक स्कूल की मान्यता एवं अन्य विषंगतियों को लेकर शिकायत की गई। जिला परियोजना समन्वयक, शिक्षा विभाग को शिकायत देकर मान्यता के दौरान भवन संबंधी जानकारी और दस्तावेजों की जांच कराने तथा अनियमितता प्रमाणित होने पर मान्यता निरस्त करने की मांग की गई है। शिकायतकर्ता का आरोप है कि मान्यता प्राप्त करते समय जिस भवन को विद्यालय के रूप में दर्शाया गया था, वर्तमान में स्कूल का संचालन दूसरे भवन से किया जा रहा है। शिकायत के साथ मान्यता के समय दर्शाए गए भवन, वर्तमान भवन और परिसर से संबंधित फोटो एवं अन्य साक्ष्य भी उपलब्ध कराए गए हैं। मामले में स्कूल संचालक उमेश गढेवाल की ओर से यह बात स्वीकार किए जाने का उल्लेख किया गया है कि उन्होंने जल्दबाजी में विद्यालय का भवन बदल दिया, क्योंकि मकान मालिक द्वारा लगातार मकान खाली करने का दबाव बनाया जा रहा था। हालांकि संचालक के इस कथन के बाद ही शिकायतकर्ता ने मान्यता प्रक्रिया में लगाए गए किरायानामे को लेकर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा है कि किरायानामे और भवन संबंधी दस्तावेजों की सत्यता की जांच किए बिना पूरे मामले की वास्तविक स्थिति स्पष्ट नहीं हो सकती। जिला परियोजना समन्वयक कार्यालय के अधिकारी समीर त्यागी ने कहा कि शिकायत प्राप्त हुई है। उन्होंने कहा कि यदि ऐसा हुआ है तो नियमसम्मत कार्यवाही प्रस्तावित की जाएगी। अब विभागीय जांच में यह महत्वपूर्ण होगा कि मान्यता के समय विद्यालय के लिए कौन सा भवन प्रस्तुत किया गया था, उस भवन से संबंधित किरायानामा वास्तविक और वैध था या नहीं, भवन परिवर्तन के लिए विभाग से अनुमति ली गई थी या नहीं तथा वर्तमान विद्यालय परिसर मान्यता के निर्धारित मानकों को पूरा करता है या नहीं। फिलहाल पूरे मामले में विभागीय जांच के बाद ही आरोपों का वास्तविकता और दस्तावेजों की वैधता स्पष्ट हो सकेगी।

इनका कहना है
आवेदन प्राप्त हुआ है जांच कराई जाएगी यदि वास्तव में ऐसा हुआ है तो नियमावलीपर कार्यवाही प्रस्तावित की जाएगी।
समीर त्यागी, सहायक जिला परियोजना समन्वयक
मकान मालिक बार-बार मकान खाली करने का बोल रहा था इसलिए जल्दबाजी में भवन बदला है, बाकी सारी व्यवस्थाएं है।
उमेश गढेवाल, संचालक

दुर्गम डगर से सेहत की देखभाल अस्पताल तक पहुंचने के लिए नहीं है पक्की सड़क

तेंदूखेड़ा। रोटी कपड़ा और मकान की पहली प्राथमिकता के बाद स्वास्थ्य और शिक्षा दोनों महत्वपूर्ण पहलू हैं इनमें भी सबसे पहले स्वास्थ्य सुविधाओं को ही पहले पायदान पर रखना पड़ता है। ऐसा ही एक उदाहरण चाँवरपाठा विकासखंड के समीपी प्रतिष्ठित ग्राम डोमी में सामने आया है। जहां शासन ने लाखों रुपये खर्च करके हाल ही में कच्चा अस्पताल का निर्माण कराया है। जिस कारण से बरखात के मौसम में अस्पताल तक जाने कच्चे कीचड़ युक्त सड़क से बड़े-बड़े गड्ढे से आना जाना पड़ित मरीजों की मजबूरी बना हुआ है।आने वाले मरीजों अस्पताल स्टॉप और ग्रामीणों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। हमारे प्रतिनिधि को ग्रामीणों ने बताया कि सड़क कि स्थिति खराब होने के कारण द्रोपदिया वाहन



चालक आए दिन फिसलकर गिरते हैं। इस मार्ग पर कई बार दुर्घटनाएं भी घटित हो चुकी हैं। ग्रामीणों का कहना है कि लंबे समय से सड़क की समस्या बनी हुई है। लेकिन न तो मार्ग पर पर्याप्त मुरम डाली जा रही है।और न ही अब तक पक्की सड़क का निर्माण हो सका है।सबसे अधिक परेशानी उस समय होती है जब किसी मरीज को आपातकालीन स्थिति में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाना पड़ता है। खराब और कच्ची सड़क के कारण मरीजों को समय पर अस्पताल पहुंचाने में दिक्कत आती है जिससे उनकी परेशानी और बढ़ जाती है।ग्रामीणों ने संबंधित विभाग एवं प्रशासन से मांग की है कि डोमी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तक

जाने वाली सड़क का शीघ्र निर्माण एवं सुधार कार्य कराया जाए। जिससे मरीजों अस्पताल कर्मचारियों और ग्रामीणों को आवागमन में राहत मिल सके। ग्राम के प्रतिष्ठित शिवकुमार शर्मा का कहना है कि सरकारी अस्पताल से यहां की सड़क लंबे समय से नहीं है। जिसमें आने जाने वाले मरीजों को परेशानी होती है। प्रशासन से मांग करते हैं शीघ्र ही पक्की सड़क बनाने की दिशा में उचित पहल हो।डोमी के ही देवेन्द्र जैन का कहना है कई बार बच्चों को अस्पताल ले जाते समय बाइक फिसलने से बाल बाल बचे।मिट्टी और गड्ढे बने हुए हैं।कच्ची सड़क पर चलना दुःसर हो जाता है। कभी कोई बड़ा हादसा हो सकता है। संबंधित विभाग एवं प्रशासन से मांग करते हैं कि शीघ्र ही पक्की सड़क बनाने की कार्यवाही करें। गांव के ही तेजप्रकाश राय का कहना है कि बुजुर्ग व्यक्तियों मरीजों एवं महिला मरीजों को आए दिनअस्पताल जाना पड़ता है। कच्ची सड़क एवं गड्ढे होने के कारण आने जाने में बहुत परेशानी होती है।



बहिनो ने भाई की कलाई पर बांधी स्नेह की डोर

तेंदूखेड़ा। भाई बहनों के स्नेह प्रेम का पवित्र त्यौहार रक्षाबंधन पर्व पर बहिनो ने अपने अपने भाईयों की कलाई पर स्नेह की डोर रक्षाबंधन बांधा मिठाई खिलाकर आरती उतारी।नये परिधान में बच्चे रंग-बिरंगी राखी रेशमी धागा बांध कर एक दूसरे की रक्षा दीर्घायु का संकल्प लेते हुए शुभकामनाओं का आदान-प्रदान कर बहिनो को उपहार प्रदान किये। रक्षाबंधन मुहूर्त में ही सभी बहिनो ने सुबह जल्दी ही अमृत लाभ और शुभ चौघड़िया मुहूर्त में रक्षाबंधन बांधा।

कजलियां पर्व पर अवकाश ना मिलने से शिक्षकों में निराशा

हरिभूमि न्यूज़ - नरसिंहपुर। कजलियों का पर्वमध्य भारत औरविशेष रूप से बुंदेलखंड की लोक संस्कृति का एक पारंपरिक एवं महत्वपूर्ण पर्व है। नरसिंहपुर जिले में भी यह पर्व वर्षों से सामाजिक सोहार्द और आपसी भाईचारे के प्रतीक के रूप में मनाया जाता रहा है। इस दिन आल्हा गायन की परंपरा के बाद लोग एक-दूसरे को कजलियाँ भेंट कर पुराने मनमुटाव और मतभेद समाप्त करते हैं तथा खुशियाँ साझा करते हैं। वहीं, शोक संतप्त परिवारों के घर जाकर संवेदना व्यक्त करने की भी परंपरा रही है। जिले में लंबे समय से कजलियों के पर्व पर स्थानीय अवकाश घोषित किया जाता रहा है। हालाँकि इस वर्ष कजलियों का पर्वशनिवार को पड़ रहा है, जिसके चलते स्थानीय अवकाश घोषित नहीं किया गया है। दरअसल, स्कूल शिक्षा विभाग को छोड़कर जिले के अधिकांश शासकीय विभागों में पांच दिवसीय कार्यक्रमाली लागू होने के कारण शनिवार को वैसे ही अवकाश रहता है। संभवतः सभी कारण अवकाश निर्धारित करने वाले अधिकारियों ने कजलियों के लिए अलग से स्थानीय अवकाश घोषित करना आवश्यक नहीं समझा। अवकाश ना मिलने से शिक्षकों में काफी निराशा है। ई-अटेंडेंस व्यवस्था के कारण शिक्षकों को विद्यालय पहुंचना और निर्धारित समय तक उपस्थित रहना ही होगा। कजलियाँ केवल एक छुट्टी का दिन नहीं, बल्कि क्षेत्र की लोक परंपरा, सामाजिक सद्भाव और आपसी रिश्तों की मजबूत करने वाला पर्व है। ऐसे में यह विचार किया जाना चाहिए कि भविष्य में स्थानीय संस्कृति और वर्षों से चली आ रही परंपराओं को ध्यान में रखते हुए इस पर्व के लिए अवकाश की व्यवस्था की जाए।



जनसुनवाई में सुनी लोगों की समस्याएं

हरिभूमि न्यूज़ - नरसिंहपुर। मध्यप्रदेश शासन के पूर्व राज्यमंत्री एवं नरसिंहपुर जिले के पूर्व विधायक जालम सिंह पटेल ने विधायक निवास नरसिंहपुर में जनसुनवाई आयोजित की इस अवसर पर आए जन सामान्य लोगों ने अपनी समस्याओं को आवेदन के माध्यम से बताया जिसपर तत्काल संहान लेते हुए पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल ने संबंधित विभाग को अवगत कराते हुए जानकारी लेकर समस्याओं का निदान कराया जनसुनवाई में लगभग 214 आवेदकों की प्राप्ति हुई जिनपर संहान लेते हुए उन्हें कार्यवाही हेतु आगे प्रेषित किया गया आमजनों के लिए 24 घंटे उपलब्ध रहने वाले जनप्रिय समाजसेवी जालम सिंह पटेल द्वारा स्थानीय जनो की जनसमस्या हेतु प्रत्येक गुरुवार जनसुनवाई का आयोजन किया जाता है जिसमें जिले भर से आए लोगों की बात सुन कर उनकी समस्याओं का निराकरण किया जाता है। उक्त जानकारी देते हुए विधायक मीडिया प्रमारी वैभव नेमा ने बताया उक्त जनसुनवाई के अवसर पर संबंधित विभागों के अधिकारी कर्मचारियों के साथ जिला भाजपा अध्यक्ष रामखेही पाठक सहित सहित अनेक समाजसेवी जनप्रतिनिधि जनो की मौजूदगी रही।

अतिक्रमण और चोरियों की भेंट चढ़ी बरगी कॉलोनी, खंडहर में तब्दील हुई करोड़ों की सरकारी संपत्ति

गोटेगांव। रानी अवंती बाई लोधी सागर परियोजना (बरगी बांध) की बरहेटा स्थित अनुविभागीय अधिकारी (एसडीओ) मुख्यालय कॉलोनी प्रशासनिक अनदेखी के चलते बदहाली की शिकार हो गई है। पिछले करीब 20 वर्षों से देखरेख के अभाव और अधिकारियों-कर्मचारियों के नहीं रहने के कारण करोड़ों रुपये की सरकारी संपत्ति धीरे-धीरे खंडहर में तब्दील हो रही है।स्थानीय लोगों के अनुसार, कॉलोनी के क्वार्टरों से चोर खिड़कियां, दरवाजे, चौखट और सीमेंट की शीट तक निकालकर ले गए हैं। आरोप है कि सरकारी गोदाम का ताला तोड़कर उसमें रखे कीमती लोहे के पाइप और अन्य जरूरी सामान भी चोरी कर लिया गया।कॉलोनी परिसर में बढ़ा अतिक्रमणदेखरेख के अभाव का फायदा उठाकर बाहरी लोगों ने कॉलोनी परिसर में कथित तौर पर अतिक्रमण कर लिया है। कुछ लोगों द्वारा यहां पक्के मकान बनाए जाने की बात सामने आई है, जबकि गोदाम के समीप झोपड़ियां डालकर मवेशी भी बांधे जा रहे हैं। मुख्य एसडीओ क्वार्टर पर एक शिक्षक के कब्जे की बात कही जा रही है। वहीं विभाग से सुवानिवृत्त हो चुके तीन चपरासी और एक सवानाइनज वृद्ध भी वर्षों से क्वार्टर खाली नहीं किए जाने की शिकायत है।स्थानीय ग्राम पंचायत के अनुसार,



मुख्य नहर कार्यालय से कॉलोनी के रखरखाव को लेकर पत्र प्राप्त हुआ था, लेकिन कॉलोनी को पंचायत को विधिवत हस्तांतरित नहीं किया गया है। ऐसे में पूर्ण अधिकार नहीं होने के कारण पंचायत द्वारा अतिक्रमण अथवा अन्य मामलों में प्रभावी कार्रवाई करने में परेशानी आ रही है।स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन और संबंधित विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से मांग की है कि कॉलोनी का निरीक्षण कर सरकारी संपत्ति की स्थिति का जायजा लिया जाए, संदिग्ध कब्जों एवं चोरी के मामलों की जांच कराई जाए तथा कॉलोनी को अतिक्रमण मुक्त कराकर सरकारी संपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।